PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Sun, 30 Jul 2017, Page 9
Width: 11.01 cms, Height: 14.82 cms, a4, Ref: 26.2017-07-30.59

स्पेन से अंगदान की गुर सीख रहा है भारत

दक्षिणी दिल्ली, (ब्यूरो): राष्ट्रीय अंग एवं उत्तक प्रत्यारोपण संस्थान (नोटो) के प्रयासों की बदौलत देश में अंगदान का प्रतिशत प्रति दस लाख में .05 से बढ़कर .8 तो हो गया, लेकिन यह अभी भी अंतरराष्ट्रीय 37.5 से काफी कम है। वहीं स्पेन 40 प्रति दस लाख की औसत के साथ विश्व में सबसे आगे है। इसलिए अब भारत ने स्पेन से यह गुर सीखने का मन बनाया है। इसके लिए दोनों देशों ने सहमती पत्र पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं।

स्पेन 40 प्रति दस लाख की औसत के साथ विश्व में सबसे आगे

सफदरजंग स्थित नोटो के कार्यालय में हुए एक विशेष कार्यक्रम में स्वास्थ सचिव सीके मिश्रा ने बताया कि देश में अंगदान बढ़ाने के लिए स्पेन से यह सीखने की जरूरत है कि पंजीकृत व्यक्ति के ब्रेन डेड होने पर कैसे उसके अंग को तय समय में निकालकर जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाय। अभी तक देश में जो व्यवस्था है उसमें पंजीकृत लोगों के मृत्यु के समय उनकी पहचान करना, समय पर उनके अंगों को रीट्रीव करना और जरूरत मंदों तक पहुंचाना काफी मुश्किल होता है। इसलिए स्पेन के सहयोग से इस व्यवस्था को दुरूस्त करना है।

नोटो के निदेशक डॉ. विमल भंडारी बताते हैं कि अभी तक देश में अंग प्रत्यारोपण का इंतजार करने वालों की कोई प्रमाणिक सूची उपलब्ध नहीं थी। नोटो के निर्देश पर पहली बार सभी राज्य अपने यहां की वेटिंग लिस्ट तैयार कर रहे हैं।